2226

7. ✓ नवरात्रव्रतम् - सम्पूर्ण

20 - अपूर्ण

कर्मकाण्ड 105

मैथिली लिपि

श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ अथ वक्ष्ये प्राणानायस्य देवकालीसंकीर्त्ती ॥ देवीपुत्रास्नानस्य कर्त्ती
णः कलशस्थापनं च कर्त्तव्यो ॥ ॥ स्नानं नामे तिथौ जन्मनि यत्नी ॥ ॥ स्नानं पृथिवीतत्वं ॥ ॥
ग्रहीपौः पृथिवीवनं ॥ ॥ अन्नतोकायतनं याथयानं ॥ ॥ अथ कलशे जलं वर्त्ति ॥ ॥ तं तं तं
वं वं ॥ ॥ इत्यंसेगणे ॥ ॥ वर्त्तितीमष्टतस्य वैरवासितो नेत्रः पवमानस्यो मोक्षमति ॥ ॥ व
र्त्तितीमः ॥ ॥ अनेन लवं निक्षिपा ॥ ॥ पवोयक्षो क्षितस्य वसितो विश्वे देवाः स्वेज्ज्वरु ॥ ॥ व
वोयसेच देवगन्तः ॥ ॥ इति पत्रवां निक्षिपा ॥ ॥ आपायस्वमीतमः सोमो गायत्री ॥ ॥ ॥
पत्रितावरुतस्य वामदेवो गलितावानुष्टुप् ॥ ॥ मृत्युर्मासिः पञ्चसेनीवाविष्टितो ॥ ॥ अंग
वागसितस्य आनन्दसीनानुष्टुप् ॥ ॥ इति गोमयं ॥ ॥ गायत्रा विश्वामित्रः सवितागा
यत्री ॥ ॥ ओं भूतं ॥ ॥ अग्निदेवतानीतस्य शवाखः सविता गायत्री ॥ इति दधिवन्ना
नि ॥ ॥ आपोजलानितस्य नमवीतजितेमोजनमोनानुष्टुप् ॥ ॥ आपोजलीः ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] देवता
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] विनियोगः ॥ कलश [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ कलश [illegible] ॥ कलश [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] नमः ॥ श्री [illegible] नमः ॥ अस्य श्री प्राणप्रतिष्ठामन्त्रस्य ॥ ब्रह्मा
विष्णुमहेश्वरा ऋषयः ॥ ऋग्यजुःसामाथर्वाणि छन्दांसि ॥ प्राणशक्तिः परा देवता ॥ आं
बीजं ॥ ह्रीं शक्तिः ॥ क्रों कीलकं ॥ प्राणप्रतिष्ठापने वि ॥ ततो न्यासादिकं [illegible]
[illegible] ॥ ॐ अं कं खं गं घं ङं [illegible]
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥
॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible] ॥
[illegible] ॥ [illegible]
[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥

ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं [illegible] ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं [illegible] ॥

[illegible] ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रौं [illegible] ॥ [illegible]

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥

दुपाय ॥ नीलवर्णाय ॥ प्राणादि विदिक्षु ॥ ॐ धर्माय ॥ ॐ ज्ञानाय ॥ ॐ वैराग्याय ॥ ॐ ऐश्वर्याय ॥
अर्णवो ॥ ॐ अनन्ताय ॥ वि॰ विद्यायै ॥ पं पद्मायै ॥ वि विकासनमाया केसरेभ्यो ॥ पं प्रकृत्यात्मक
पत्रेभ्यो ॥ पं पंचाशद्वर्णबीजात्मक कर्णिकायै ॥ ॐ सं सोममण्डलाय ॥ कामप्रदषोडशकला
त्मने ॥ ॐ अं अर्कमण्डलाय ॥ ॐ अर्थप्रदद्वादशकलात्मने ॥ वं वह्निमण्डलाय ॥ धर्मप्रदशक
लात्मने ॥ ॐ सं सत्त्वाय ॥ रं रजसे ॥ तं तमसे ॥ शूलाय ॥ कंदाय ॥ नालाय ॥ पद्माय ॥ कर्णिका
यै ॥ दलेभ्यो ॥ बीजेभ्यो ॥ ॐ वीरासिंहासनाय ॥ ॐ वर्णवर्णायो मपीठात्मने स्वकी
पीठं कल्पयामि ॥ ॥ इति पीठपूजा ॥ ॥ नवशक्तिपूजा ॥ ॥ ॐ ब्राह्म्यै नमः ॥ ॐ माहेश्व
र्यै ॥ कौमार्यै ॥ वैष्णव्यै ॥ वाराह्यै ॥ माहेन्द्र्यै ॥ चामुण्डायै ॥ शिवदूत्यै ॥ योगिन्यै ॥ ॐ अघोरेश्व
री पञ्चरेश्वर्यै ॥ ॥ नवनवशक्तिपूजा ॥ ॥ पञ्चरत्न सिंहासनं दुर्वाक्षत? संस्थानि
ह्रां ति देवस्य निर्मितां ॥ ॐ सानन्दस्य पीतवस्त्र प्रसन्नाद्वै वाक्शक्ति दिव्यानुपानमासि ॥
॥ ॐ ज्ञानवेदसे भावनाय कल्पपीठनीसिद्धि पूजा ॥ ॥ ॐ श्रीमावाहनेविधि ॥ ॥ ॐ ज्ञानवे

दसे ॥ ॥ ॐ श्रीमावाहयामि ॥ ॥ ॐ जातवेद स्थापनपूर्व मावाहनविधौ ॥ ॥ ॐ मावाहना
दिजात ज्ञानपूर्वक ॥ ॐ कात्यायनार्थ विनायक नाकुल निर्विशदि ॥ तं नौ उग्रि प्रचो
दयात् ॥ ॥ ॐ जातवेद सेदला ॥ ॐ देवान्कुलसंकल्प ॥ सार्क ते अजितः ॥ ॐ जातवेदसे ॥
सामाजिक लज्जाविहीन ॥ ॐ ह्रां ह्रीं ह्रूं ह्रैं ह्रौं ह्रः ॥ ॥ इति षडङ्गन्यास ॥ हृदि
स्थापिते विधि ॥ ॐ हां तत्त्वेन्द्रलक्ष्मी लालीनि पावके द्रां नमः ॥ ॐ नमः शिवाय
नमः ॥ ॐ हां ॐ ह्रीं नमः ॥ तिकायै ॥ नमः ॥ शिवाय ॥ ॐ ह्रूं ह्रीं नित्यै ॥ नमः ॥ शिवा
ॐ ह्रूं ॥ ॐ ह्रैं त्रि सायै ॥ ॐ नमः ॥ कवच ॥ ॐ ह्रौं नेत्रत्रयाय ॥ नेत्र ॥ ॐ ह्रः अस्त्राय
ह्रः ॥ शिवदूत्यै ॥ कवच ॥ अस्त्राय फट् ॥ ॥ ॐ तत्त्ववर्णो सिद्धि ॥ ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः
सिद्धतन्त्रेश्वरस्य ॥ ॥ ॐ ह्रीं ॐ श्रीं नमः ॥ ॥ इति संकल्पविधि ॥ ॥ ॐ जातवे
दप्त कदलीपत्रे स्थापयामि ॥ ॥ ॐ जातवेदसे संस्थापनम् ॥ ॐ जातवेदसे नमः

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

गणानाम्पत्यावाहनम् ॥ ॥ नवरात्रिपूजा ॥ ॥ श्रीमिन्द्रगीर्वाणमण्डलोपविष्टाः नव
रात्रिपूजा ॥ ॥ ॐ ऐं ब्रह्माण्यै। ह्रीं माहेश्वर्यै। क्लीं कौमार्यै॥ ह्रूं वैष्णव्यै। ह्रं वाराह्यै। ऐं
नं इन्द्राण्यै। ॐ चामुण्डायै। ह्रः विजयायै। ॐ सर्वसिद्धिदायै ॥ श्रीदुर्गायै ॥ ॥ नवरात्रिपू
जा ॥ ॥ महालक्ष्मी नवरात्रिपूजा ॥ ॥ ब्रह्मायै ब्रह्माण्यै। विजयायै। सिद्ध्यै। पद्मिन्यै।
स्वधायै। जयायै। विरोचन्यै॥ महालक्ष्म्यै ॥ ॥ नवरात्रिपूजा ॥ ॥ नमः ॥ ॥ सरस्व
ती नवरात्रिपूजा ॥ ॥ सरस्वत्यै ॥ वीणापुस्तकधारिण्यै। विद्याराज्ञ्यै। वेदमात
ायै। ज्ञानदेवतायै। शारदायै। कामनादिन्यै ॥ चतुर्मुखवेदिन्यै ॥ सर्वसिद्धिदायिन्यै। सर
स्वत्यै ॥ ॥ नवरात्रिपूजा ॥ ॥ श्रीदुर्गाध्यानं ॥ ॥ रत्नाकरमललसंस्थानवरत्नः
पुष्पवर्णिकनककमललग्नदेवाङ्गनाभिर्भावितां ॥ सर्वाभिलकट विविलासमन्दवाकुला
लै निवनिर्वनमानास्तनतसीःसीर्णैनः ॥ ज्ञानवेदस्येमानीवःकरपोत्रमसिद्धि
द्राद् ॥ देवाज्ञाजनेवि॥ ज्ञानवै॥ दुर्गा॥ कालिमहालक्ष्मीमहास

नवस्वती महावाद्यमहीमादिनुर्विस्वःमावाजयाप्रि॥ ॥ महावैवागन्धर्वाणबृ॥ ॥ श्रावाह
नादिजगद्गुरान्वद्रदरूप॥ ॥ कात्यायना॥ ॥ विष्णुपत्न्याय॥ ॥ ब्रह्मपत्न्याय॥ इन्द्राणी
दला॥ ॥ देमद्रस्यालिङ्गसद्गड्डीलीलांसाविज्ञांनीतिजस्मां विनोलांयेमान्कस्मांपीतव
स्त्रांप्रसन्नांदेवींदुर्गी दिव्यानुपानमासि॥ ॥ श्रीदुर्गायै॥ ॥ ध्यानं॥ ॥ चतुर्भुजांमहाल
क्ष्मीं गजयुग्मनांद्यतां॥ ध्यायेन्नारायणदिनीं लक्ष्मीं वरदाभयपाणिनीं॥ ॥ आसावमास
नस्था॥ ०॥ ॥ पद्मासनां पद्मदलायताक्षिं कलांकसंनिभां॥ पद्मपत्रविशालाक्षी
गोविन्दवल्लभा॥ ॥ महालक्ष्म्यै नमः॥ ॥ ध्यानं॥ ॥ या कुन्देन्दुतुषारहारध
वला या शुभ्रवस्त्रावृता॥ या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥ या ब्रह्मा
च्युतशंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्याप
हा॥ ॥ सरस्वत्यै नमः॥ ॥ ध्यानं॥ ॥ विद्युद्दामसमप्रभां मृगपतिस्कन्धस्थितां भीषणां
कन्याभिः करवालखेटविलसद्धस्ताभिरासेवितां॥ हस्तैश्चक्रगदासिखेटविशिखांश्चापं गुणं तर्जनीं

तिगायत्रीं ४

कालीय

कावस्थितां॥ आवाहयामि देवीं त्वां साध्यावन्दनसंस्थितां॥ ॐ गायत्र्यै॥ ॥आवाहनं॥
आवाहयामि देवेशि सिद्धगन्धर्वसेविते॥ आगच्छ वरदे देवि ब्रह्मविष्णुशिवादिवन्दिते॥
सन्ध्यालक्ष्म्यै॥ ॥आवाहनं॥ ॥विश्वात्मानसरोजलोचनजननी त्रैवाशिष्ठाभिजूराशि
स्वाकलिततनुलितां त्रैनवंगांसरा॥ तस्मात्तन्मुखवास्तेऽहं सकलसम्पत्संलीलानाङ्कृता
स्वायात्तंक्षितपादपीठनिकेतमभिजातिगांसानदां॥ ॥सरस्वत्यै आवाहनं॥ ॥आस
नं सर्वतीर्थयुतं स्वर्णसौख्यकनकं॥ गृहाण गौरवर देवि तिलात्मकं सङ्गिनी॥ ॐ गायत्र्यै आस
नं॥ ॥आनीतं वै कुसुमेर्जातानाभिर्जितं॥ ॥स्वर्णसिंहासनं लक्ष्मीश्रमालकण्ठे त्वगृही॥
॥ ॥सन्ध्यालक्ष्म्यै आसनं॥ ॥सिंहासने कमलसंभिन्ने लोदनेशस्थितिं त्वंपानिभानिनसि
लाति पासमासो॥ ॥सातन्नि जीवसन्दरा क्लिन्नजन्ति त्वंवाणी प्रसीद समारे त्रियमानसे
रो॥ ॥सरस्वत्यै आसनं॥ ॥ विद्यानवल्लते त्रैविनैततया विद्याक्षिते॥ तस्मान्नां मम

त्रैनितांगं पाद्यं गृहाण॥ ॥ॐ गायत्र्यै॥ ॥ ॥पाद्यं॥ ॥पाद्यं गृहाण वरदे यज्ञविनवसेवि
ते॥ तत्प्रकांवनसंकारो सन्ध्यालक्ष्म्यै नमोऽस्तु ते॥ ॥सन्ध्यालक्ष्म्यै॥ ॥पाद्यं॥ ॥त्वेकादपमयण
लेपविरतवेकागांपयासकलसंपादितविद्येभ्यः॥ संतर्पितं सलिलं विनेश्वंतगओगांशकलाय
मानसकतं ज्ञवितं दिनसु॥ ॥सरस्वत्यै॥ ॥पाद्यं॥ ॥गन्धकशीतलं कर्पूरं कुङ्कुमागरुसंयुतं
अर्घ्यं गृहाण गौरि त्वं प्रीता भव सदाय जना॥ ॥ॐ॥ ॥अर्घ्यं॥ ॥गङ्गोदकार्घ्यं मयाहृतं ग्राह्यानयस
म्भवते॥ त्रैलोक्यजननी सावित्रैकं तस्यदयांगने॥ ॥सन्ध्या॥ ॥अर्घ्यं॥ ॥कुंजपाद्यकादिपैलसि
सितसम्पीतेतततं सयाजवनसातनिर्गृहाण॥ संपत्तितं सममतीवी काञ्च गतप्रतीक्ष्यां कृगवगात
नविष्पप्पनेनवंद्यो॥ ॥सर॥ ॥अर्घ्यं॥ ॥नमस्त्रैलोक्यजननी सर्वसिन्तावित्रसिद्धिनी॥ गृहाणाच
सनं प्रीता गौरितं सरस्वती॥ ॥ॐ॥ ॥आचमनीयं॥ ॥सयावसुजितं देवि गृहाणाचमनीय
कं॥ पदमपिपदशसेपरम्नानामिद्योगते॥ ॥सं॥ ॥आ॥ ॥सयावसुजितं देवि गृहाणाच
मनीयकं॥ सावरेसावरसानासं विविष्णाजितवते॥ ॥सर॥ ॥आ॥ ॥दलितीक्ससमावकुंजौ
त्रैकं नककनगाजनं॥ साजपर्कं सयात्र तं त्वं गृहाणतिसंजके॥ ॥ॐ॥ ॥सनपर्कं॥ ॥सजप

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

इति द्वितीयं ॥ ॥ वज्रायै । घंटायै । खड्गायै । अंकुशायै । धनुर्बाणायै । त्रिशूलायै । कपाला-
यै ॥ ॥ तृतीयं ॥ ॥ ब्राह्म्यै ॥ माहेश्वर्यै । कौमार्यै । वैष्णव्यै । वाराह्यै । इन्द्राण्यै । चामुण्डायै ॥ ॥
इति चतुर्थीका ॥ ॥ इन्द्राय । अग्नये । यमाय । नैरृतये । वरुणाय ॥ वायवे । कुबेराय । ईशाना-
य ॥ ब्रह्मणो ॥ विष्णवे ॥ ॥ इति पं ॥ ॥ महालक्ष्मीनामावरणषष्ठं ॥ ॥ नन्दायै । नन्दुत्त-
तिकायै ॥ जीमायै । ज्वालायै । शिवदूत्यै ॥ ॥ इति प्रथमं ॥ ॥ इत्यादि द्वितीयं ॥ ॥ ॥
ब्राह्मणादि द्वितीयं ॥ ॥ चन्द्रमालायै ॥ कमलायै ॥ ज्ञानायै ॥ पद्मायै ॥ कुलिशायै ॥ गदा-
यै ॥ वज्रायै ॥ त्रिशूलायै ॥ चक्रायै ॥ पाशांकुशायै ॥ पद्मायै ॥ पाशायै ॥ दंडायै । कापायै ॥ पात्र-
पात्रायै ॥ कमण्डलायै ॥ शृंखलायै ॥ ॥ इति चतुर्थीवरणं ॥ ॥ भासिताञ्जनैवाय ॥ नन्दनै
॥ वंडनैन ॥ श्रोणनैन ॥ उन्मत्तनैन ॥ कपालनैन ॥ जीवनानैन ॥ संहारनैन वाय ॥ ॥ इति पं ॥
॥ ॥ वनस्पतीनामावरण ॥ ॥ रुद्रादेवतायै ॥ दिव्यदेवतायै ॥ भीमादेवतायै ॥ कवचदेव-
तायै ॥ नैवदेवतायै ॥ आकाशदेवतायै ॥ ॥ इति षं ॥ ॥ अं नमः ॥ आं नमः ॥ इं नमः ॥ ईं नमः ॥
उं नमः ॥ ऊं नमः ॥ ऋं नमः ॥ ॠं नमः ॥ ऌं नमः ॥ ॡं नमः ॥ एं नमः ॥ ऐं नमः ॥ ओं नमः ॥ औं नमः ॥ अं नमः ॥ अः नमः ॥ ॥ इ-
ति द्वितीयं ॥ ॥ कं नमः ॥ खं नमः । गं नमः । घं नमः । ङं नमः । चं नमः । छं नमः ॥ जं नमः ॥ झं नमः ॥ ञं नमः ॥

टं नमः ॥ ठं नमः ॥ डं नमः ॥ ढं नमः ॥ णं नमः । तं नमः । थं नमः । दं नमः । धं नमः । नं नमः । पं नमः ॥ फं नमः । बं नमः ॥
भं नमः ॥ मं नमः । यं नमः । रं नमः । लं नमः । वं नमः । शं नमः । षं नमः । सं नमः । हं नमः ॥ क्षं नमः ॥ ॥ इति तृती-
यावरणं ॥ ॥ ब्राह्मण्यादि चतुर्थीवरणं ॥ ॥ कापालिन्यै । कपालिन्यै । खड्गिन्यै । शूलिन्यै । मा-
लिन्यै । दंष्ट्रिण्यै । रात्र्यै ॥ ॥ इति पं ॥ ॥ इन्द्रादि षष्ठं ॥ ॥ वज्राय । शक्त्यै । दंडाय । पाश-
ाय । खड्गाय । गदाय । त्रिशूलाय । पद्माय । वज्राय ॥ ॥ इति सप्तमावरणं ॥ ॥ श्रीमहालक्ष्मी-
पञ्चमं ॥ ॥ कामाक्ष्यै ॥ पञ्चबलं ॥ कमलायै । कुलदेवी ॥ माणिक्यै ॥ मणिपद्मं । जीवि-
कायै । गवाक्षं ॥ निर्मलायै । निर्मली ॥ नागकन्यायै ॥ वैष्णवीं ॥ सर्वदेवायै ॥ विष्णु-
क्रान्ती ॥ गरास्विन्यै । उवाच ॥ सर्वात्मिकायै ॥ निर्मल ॥ सीउन्निपनमोस्वर्यै ॥ सनास-
वनाशित्व ॥ ॥ श्रीमहालक्ष्मीपञ्चकं ॥ ॥ महालक्ष्म्यै । मायावि ॥ वैकुण्ठवासिन्यै ।
सनातन ॥ पीतांबरनारिन्यै ॥ बिल्वपत्रकंदर्पजननी ॥ जातीपत्र नारायण्यै । सिंहप
नारायणप्रियायै । विष्णुक्रान्तीपत्र कमलवासिन्यै । तुलसीपत्र भुजंगवाहिन्यै । मृतपं-
कजनालेशमल्लिकापत्र वैष्णव्यै । दाडिमपत्र पद्मप्रियायै । पद्मपत्र कमलासनसौभाग्यिन

[illegible]

।ण्यै॥ जालवन्दनायै॥ कालरात्र्यै। कटुतायै। विद्युतायै। विश्वकालकायै। जिह्निकायै। वनवासिन्यै॥
तत्त्ववल्लभायै॥ उग्रायै॥ १ जपाञ्जलिः समर्पयामि॥ ॥महालक्ष्मीपूजा॥ ॥पद्मनाभायै। पद्म
हस्तायै॥ पद्मनाभप्रियायै॥ रमायै। महालक्ष्म्यै। वरमहालक्ष्म्यै। महाकाल्यै॥ महानुभावायै। सि
महालक्ष्म्यै॥ ॥१ जपाञ्जलिः॥ ॥सरस्वतीपूजा॥ ॥सरस्वत्यै॥ वाग्देव्यै। वाण्यै। ज्ञा
नरूपायै॥ वेदमाते॥ वेदरूपायै। ब्रह्मानुचारिण्यै। ज्ञानवत्यै। ज्ञानगम्यायै। जगन्माते। वरप्रदायै।
तत्त्ववल्लभायै। वरदीप्तायै। सावित्र्यै। सन्ततावादिन्यै। गायत्र्यै। गंगायै॥ सायारूपायै। महा
देव्यै। संज्ञायै। महादेवप्रियायै। सर्वेश्वर्यै। सरस्वत्यै॥ ॥१ जपाञ्जलिः समर्पयामि॥ ॥
॥ ॥अष्टयोगिनीपूजा॥ ॥ॐ योगिन्यै। दिव्यायै। सिद्धयोगिन्यै। महायोगेश्वर्यै। वेतालिन्यै।
डंकालिन्यै। साकिन्यै। डाकिन्यै। कालरात्र्यै। निशाचर्यै। वेताल्यै। यक्षिण्यै। भुवनेश्वर्यै। कुब्जि
केशिन्यै। घोररूपायै। विद्युज्जिह्वायै। ऊर्ध्वकेश्यै। नक्तञ्चारिण्यै। पिङ्गलायै। बीभत्सायै। ज्वालिन्यै। क
लहप्रियायै। नारसिंह्यै। नरमुण्डमालिन्यै॥ विद्युत्प्रभायै। ज्वालामुख्यै। [illegible]
वाराह्यै। [illegible]

नमोऽस्तु ते॥ [illegible]॥

[illegible]॥ ॥उग्रचण्डाकालिकामहालक्ष्मीमहासरस्वतीभ्यो॥ ॥योगिनीपूजा॥ ॥सी॥

उग्रचण्डापूजा॥
उग्रायै।
नारसिंहविध्वंसिन्यै
उग्रतीक्ष्णायै॥
उग्ररूपायै
लक्ष्म्यै।
लक्ष्मायै
महाप्रियायै
सर्वायै नमः॥

ॐ ह्रूं नमः॥
ॐ स्वरूपायै।
ॐ भूतायै॥
ॐ महामायायै
ॐ महामायायै
ॐ मोक्षायै न॥
ॐ सरस्वत्यै॥
ॐ शिवायै॥
ॐ शान्तिकायै।
ॐ शान्तायै न॥

ॐ शान्तक्यै नमः
ॐ तुलजायोगिन्यै।
ॐ नारस्यै॥
ॐ निर्मलायै।
ॐ नार्यै॥
ॐ नारायण्यै
ॐ काल्यै॥
ॐ मातायै॥
ॐ कलायै॥
ॐ ब्राह्म्यै॥

ॐ बीजरायै॥
ॐ वाण्यै॥
ॐ शारदायै॥
ॐ हंसवाहिन्यै
ॐ त्रिशूलिन्यै।
ॐ त्रिनेत्रायै॥
ॐ त्रिलोचनायै।
ॐ तुष्ट्यै न॥
ॐ देवतायै।
ॐ रमायै॥

ॐ शङ्खिन्यै नमः
ॐ चक्रिण्यै नमः
ॐ पद्मायै॥ ५॥
ॐ कमलायै नमः
ॐ मालिन्यै॥
ॐ मतये नमः
ॐ महेश्वर्यै
ॐ महेश्वर्यै
ॐ महादेव्यै न॥
ॐ अष्टवतायै

ॐ जगज्जनवासिन्यै ॥
ॐ नीलायै नमः ॥
ॐ जाग्रत्यै ॥ ५० ॥
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]नाथायै ॥
ॐ [illegible]तायै ॥ नमः ॥
ॐ [illegible]नमः ॥
ॐ [illegible]नमः
ॐ [illegible]नमः ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible] नमः ॥
ॐ [illegible] नमः ॥
ॐ [illegible] नमः ॥

ॐ [illegible]नाथायै ॥
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]नाथायै ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ कामाक्ष्यै ॥
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
नाथै नमः ॥
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]

ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
नाथायै नमः ॥

ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible] ॥

ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै १००
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible] नमः
[illegible]
[illegible]
॥ ॥ ॥ ॥
[illegible]

महालक्ष्मी[illegible] ॥
ॐ महालक्ष्म्यै ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
कामिन्यै
ॐ [illegible]
[illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible] १०
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]

ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ कपालिन्यै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible] नमः
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible] ॥
ॐ [illegible] ॥

॥ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible]
ॐ [illegible]
[illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible]
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]

॥ [illegible] ॥ वि ॥ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥ ॥
ॐ [illegible]
[illegible]

॥ [illegible] ॥
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible]नाथायै
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible]
[illegible] ॥

॥ [illegible] ॥ ॥
ॐ [illegible]नाथायै
ॐ [illegible]
[illegible] ॥
ॐ [illegible]
[illegible] नमः
[illegible] नमः ॥
ॐ [illegible]
नाथै ॥ ॥
ॐ [illegible]
[illegible]
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
ॐ कालायै
ॐ [illegible]
ॐ [illegible]
॥ ॐ [illegible]नाथायै ॥

[illegible]

ॐ ललितायै।।

[illegible]

ॐ विनीतायै।। ।।

ॐ विलासायै।। ।।

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ स्वा० ॥ ॥ नै ॥ [illegible]

[illegible] प्रतिगृह्यन्तां ॥ ॥ ३० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] प्रतिगृह्यन्तां ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible] ताम्बूलं ॥ [illegible] ताम्बूलं प्रतिगृह्यन्तां ॥ ॥ ३ ॥

॥ ॥ ताम्बूलं ॥ [illegible] ताम्बूलं

प्रतिगृह्यन्तां ॥ ॥ स्वा ॥ ॥ ताम्बूलं ॥ [illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ ॥ ताम्बूलं ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ ३० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible] प्रतिगृह्यन्तां ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ताम्बूलं ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible] ॥ ३० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ ३० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ३० ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ॥ स्वा ॥ [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] नमोस्तु ते ॥ १४ ॥ [illegible]
[illegible] नमोस्तु ते ॥ १५ ॥ [illegible]
[illegible] नमोस्तु ते ॥ १६ ॥ ॥ श्री ॥ ॥ श्री ॥ ॥ [illegible]
[illegible] नमोस्तु ते ॥ १७ ॥ [illegible]
[illegible] नमोस्तु ते ॥ [illegible]
[illegible] नमोस्तु ते ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

[illegible]

गी ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥ ॥

॥ [illegible] ॥ ॥ [illegible]

[illegible] ॥ ॥ [illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible]

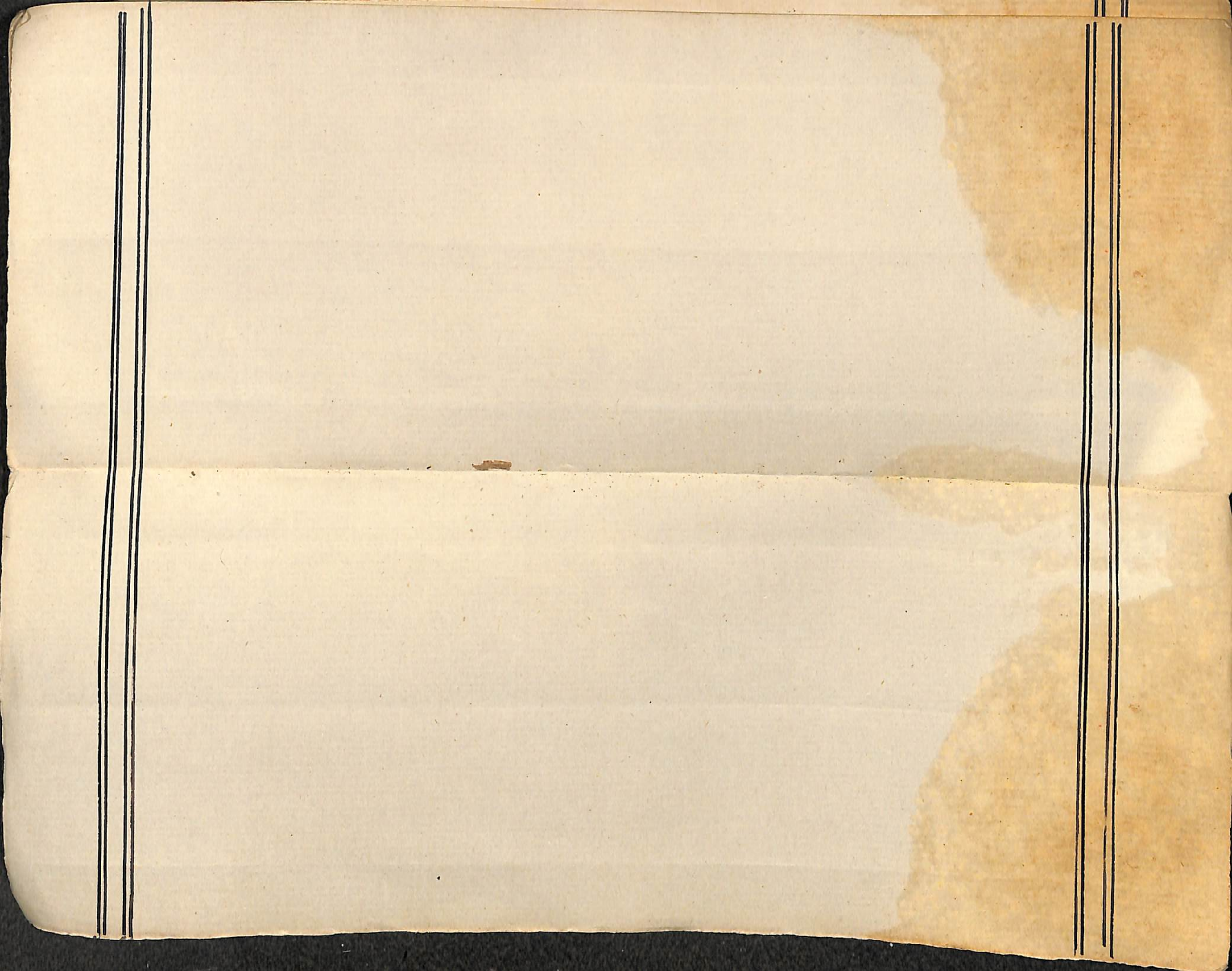
[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥

[illegible] ॥ ॥

[illegible] ॥

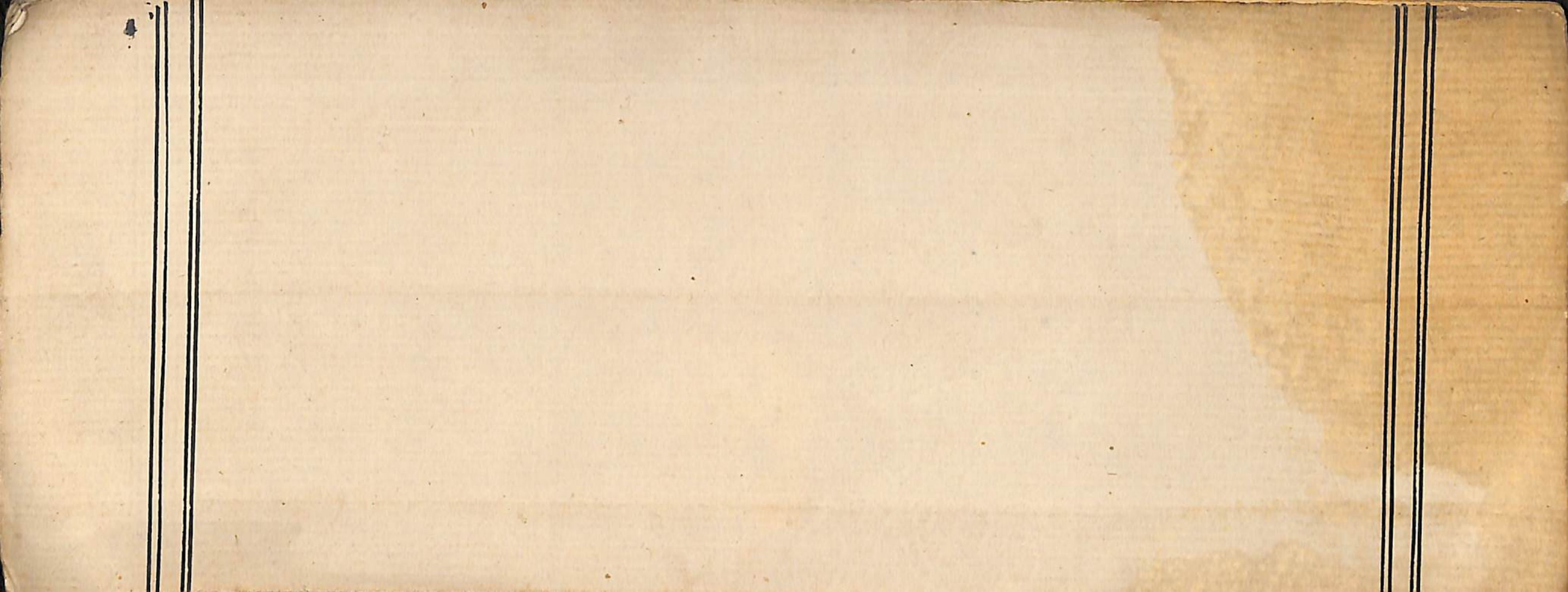


[illegible]

॥ ॥ श्री ॥ [illegible] ॥ [illegible] ॥ ॥ श्री ॥ ॥

॥ श्री ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ श्री ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ श्री ॥ ॥ श्री ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ श्री ॥ ॥ [illegible] ॥ ॥ श्री ॥ ॥

[illegible]



॥ सी ॥ ॥ नवकालीव्रतग्रान॰ तः सीञ्जंनापलीग्रस्तु ॥ ॥

(७)